रामलाल आनंद महाविद्यालय

हिन्दी सप्ताह रिपोर्ट

शैक्षणिक - वर्ष :-2022 -2023

प्रोफेसर अर्चना गौड़

संयोजक

राम लाल आनन्द महाविद्यालय में हिंदी साहित्य परिषद के अंतर्गत हिंदी विभाग के द्वारा हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत विभिन्न स्तर की प्रतियोगियताओं का आयोजन कराया गया और विजेताओं को सम्मानित धन राशि एवं प्रमाण पत्र दिए गए। इसी के साथ सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गये। विद्यार्थियों के स्तर पर दो प्रतियोगिताएँ क्रमशः निबंध – लेखन और स्वरचित काव्य- पाठ प्रतियोगिताएँ , प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों के स्तर पर दो प्रतियोगिताएँ क्रमशः हिंदी टंकण और कार्यालयी - लेखन तथा प्रवक्ता स्तर पर रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रामलाल आनंद महाविद्यालय के प्रोफ़ेसर स्तर के निर्णायक मण्डल द्वारा समुचित निर्णय किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के सहभागिता की संख्या 100 से अधिक रही।

प्रतियोगिता का नाम	प्रतियोगी संख्या	प्रतियोगिता का विषय	अवधि
1 निबंध लेखन	53.	हिंदी है हम वतन है हिंदुस्तान हमारा	40
2 हिंदी टंकण प्रतियोगिता	13.	टंकण	30
3 हिन्दी कार्यालयी लेखन	13.	प्रशासनिक शब्दावली ,पत्र- लेखन	40
4 रचनात्मक लेखन.	13	हिंदी अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम	40
5 स्वरचित काव्य-पाठ	36	स्वरचित काव्य पाठ	1 घण्टा
6.विषय विशेषज्ञ वक्तव्य		राष्ट्रीय शिक्षा नीति और हिन्दी	2 घंटे
7 अभिव्यक्ति का खुला मंच	63	-	2 घंटे

विषय विशेषज्ञ “प्रोफ़ेसर पूरनचंद टंडन” के द्वारा “राष्ट्रीय शिक्षा नीति और हिन्दी “ विषय पर व्यक्तव्य दिया गया, जिसके अंतर्गत नई शिक्षा नीति से जुड़ी सभी संकल्पनाओं का विश्लेषण किया गया , हिन्दी और अनुवाद की सम्भावनाएँ मात्र भाषा में शिक्षा की सुविधाएँ भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन और उनके उत्थान के लिए वित्तीय सहयोग की योजना इन सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर परिसंवाद किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर राकेश कुमार गुप्ता, उप-प्राचार्य प्रोफ़ेसर सुभाष डबास, हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर संजय कुमार शर्मा सम्पूर्ण हिंदी विभाग के साथ उपस्थित रहे। 125 से अधिक विद्यार्थियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में यह वक्तव्य सम्पन्न हुआ। इस हिन्दी सप्ताह के सफल आयोजन में हिंदी साहित्य परिषद के चयनित (विद्यार्थी) पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया। इस अवसर ओर विजेताओं को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

निबंध लेखन प्रतियोगिता रिपोर्ट :-

रामलाल आनंद महाविद्यालय में हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों के स्तर पर 7 सितंबर 2022 को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और निबंध लेखन के लिए विषय : 'हिन्दी है हम वतन है हिंदोस्ता हमारा' रखा गया | निबंध लेखन प्रतियोगिता के लिए 50 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया और प्रतियोगिता में भाग लिया | सभी प्रतिभागियों को निबंध लिखने के 1 घंटे का समय दिया गया | विजेता प्रतिभागियों को पुरुस्कार व प्रमाण पत्र और अन्य सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया | रामलाल आनंद महाविद्यालय के प्रोफेसर स्तर के निर्णायक मण्डल व प्रतियोगिता संयोजक प्रो. श्रुति आनंद और डॉ. दिनकर सिंह द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता का समुचित निर्णय किया गया | प्रतियोगिताओं के दौरान हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका - प्रो. अर्चना गौड़, प्रतियोगिता स्थल कक्ष संख्या पी. सी. - 8 में मौजूद रही |

टंकण प्रतियोगिता :-

रामलाल आनंद महाविद्यालय में हिन्दी साहित्य परिषद के अंतर्गत हिन्दी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विभिन्न स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई | महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए हिन्दी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया और उन्हे 1 प्रष्ठ की शुद्ध हिन्दी टंकण करने को कहा गया | महाविद्यालय के मैथ्स लैब में अत्याधुनिक कंप्युटर पर प्रतियोगिता कराई गई |

प्रतियोगिता में महाविद्यालय के सभी प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया तथा विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरुस्कार प्रदान किया गया तथा अन्य सभी को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया | रामलाल आनंद महाविद्यालय के प्रोफेसर स्तर के निर्णायक मण्डल व प्रतियोगिता संयोजक प्रो. नीलम ऋषिकल्प और डॉ. मानवेश नाथ दास द्वारा हिन्दी टंकण प्रतियोगिता का समुचित निर्णय किया गया | प्रतियोगिता के दौरान हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका प्रो. अर्चना गौड़ प्रतियोगिता स्थल पर मौजूद रही |

पत्र लेखन / कार्यालयी हिन्दी दक्षता :-

रामलाल आनंद महाविद्यालय में हिन्दी साहित्य परिषद के अंतर्गत हिन्दी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विभिन्न स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई | महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए कार्यालयी हिन्दी दक्षता अथवा पत्र लेखन की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया और प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से एक कार्यालयी पत्र व 5 प्रशासनिक शब्द का हिन्दी अनुवाद करवाया गया | विजेता प्रतिभागियों को पुरुस्कार व अन्य सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया | रामलाल आनंद महाविद्यालय के

प्रोफेसर स्तर के निर्णायक मण्डल व कार्यक्रम संयोजक - प्रो. सुभाष चंद्र डबास और डॉ. अशोक मीना के द्वारा प्रतियोगिता का समुचित निर्णय किया गया | प्रतियोगिता के दौरान हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका प्रो. अर्चना गौड़ प्रतियोगिता स्थल पर मौजूद रही |

स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता रिपोर्ट :-

रामलाल आनंद महाविद्यालय में हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों के स्तर पर स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई | प्रतियोगिता में 35 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया और स्वरचित कविताओं का पाठ किया | प्रतियोगिता महाविद्यालय के सभागार में आयोजित की गई और सभागार में लघभग 70 से अधिक श्रोता मौजूद रहे | रामलाल आनंद महाविद्यालय के प्रोफेसर स्तर के निर्णायक मण्डल व प्रतियोगिता संयोजक प्रो. संजय कुमार और डॉ. द्वारा काव्यपाठ प्रतियोगिता का समुचित निर्णय किया गया | प्रतियोगिताओं के दौरान हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका - प्रो. अर्चना गौड़ प्रतियोगिता स्थल पर मौजद रहे |

विशेष व्याख्यान : वरिष्ठ प्रोफेसर पूरन चंद टंडन

रामलाल आनंद महाविद्यालय में हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विभिन्न स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा मुख्य अतिथि :- प्रोफेसर पूरन चंद टंडन द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति और हिन्दी (NEP) पर महाविद्यालय के सभागार में विशेष व्याख्यान आयोजित कराया गया |

विशेष व्याख्यान के बाद विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में प्रोफेसर पूरन चंद टंडन जी से सीधे सवाल किए तत्पश्चात विगत दिनों में हिन्दी साहित्य परिषद द्वारा हिन्दी सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कराई गई सभी प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेताओं को मुख्य अतिथि के कर कमलों से प्रमाण पत्र प्रदान किए गए | इस विशेष व्याख्यान के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, उपप्राचार्य - प्रो. सुभाष चंद्र डबास, हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका - प्रो. अर्चना गौड़, हिन्दी विभागाध्यक्ष - प्रो. संजय कुमार शर्मा के साथ - साथ 100 से अधिक विद्यार्थी सभागार में मौजूद रहे |

हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग और राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा हिन्दी सप्ताह के आयोजन के अंतर्गत केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय राम कृष्ण पुरम , नई दिल्ली के सहयोग से महाविद्यालय के प्रशासनिक और विभिन्न विभागों में कार्यालय के निजी प्रयोग हेतु तकनीकी हिन्दी पारिभाषिक शब्दावली का वितरण किया गया | जिसमे सभी विभागों को क्रमश: अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी की शब्दावली प्रदान की गई |

हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी विशेष, द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम में संकलित फणीश्वरनाथ रेणु कृत कहानी “तीसरी कसम” पर आधारित फिल्म का फिल्मांकन किया गया | इस फिल्म को सेमीनार कक्ष में अपराह्न 3 से 5 बजे तक दिखाया गया | फिल्म दिखने का मुख्य उद्देश्य साहित्य और फिल्म के अंतरसंबंध को समझना था | 40 से अधिक विद्यार्थियों ने दर्शक की भूमिका निभाई | तत्पश्चात कक्षा में इस कहानी और फिल्म पर प्रो. अर्चना गौड़ द्वारा चर्चा की गई |

रामलाल आनंद महाविद्यालय

(डी.बी.टी.स्टार महाविद्यालय)

दिल्ली विश्वविद्यालय

आजादी का अमृत महोत्सव

और **हिंदी दिवस** के अवसर पर

हिंदी विभाग द्वारा हिंदी सप्ताह का आयोजन

कार्यक्रम की रूपरेखा

दिनांक 7 सितम्बर – 14 सितम्बर 2022

दिनांक 7 सितम्बर 2022 **निबंध लेखन प्रतियोगिता**
(विद्यार्थियो के लिए प्रतियोगिता)
स्थान - सेमिनार रूम/पीसी-8

दिनांक 8 सितम्बर 2022 (प्रशासनिक अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए प्रतियोगिता) **हिन्दी टंकण प्रतियोगिता**
स्थान - मैथ्स लैब (कक्ष संख्या - 15)

दिनांक 9 सितम्बर 2022 **कार्यालयी हिन्दी दक्षता**
(प्रशासनिक अधिकारियों /कर्मचारियों के लिए प्रतियोगिता)
स्थान - सेमिनार रूम/ पीसी-8

दिनांक 12 सितम्बर 2022 **रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता**
(प्रवक्ताओं के लिए प्रतियोगिता)
स्थान - एक्स्टेंडेड स्टाफ रूम

दिनांक 13 सितम्बर 2022 **स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता**
(विद्यार्थियो के लिए प्रतियोगिता)
स्थान – सेमिनार कक्ष
समय – 11 से 12 बजे

* **विशेषज्ञ संवाद**
* **विषय – "नयी शिक्षा नीति और हिंदी"**
* **आमंत्रित विषय विशेषज्ञ – प्रो. पूरनचंद टण्डन**
पुरस्कार एवं प्रमाण – पत्र वितरण
स्थान - सेमिनार रूम , समय – 12 बजे से

दिनांक - 14 सितम्बर 2022 **ओपन माइक**
स्थान - सेमिनार रूम

*13 सितम्बर , प्रतियोगिता समय 11 बजे एवं अन्य सभी प्रतियोगिताओं का समय दोपहर 12 से 1 बजे रहेगा
आप सभी सादर आमंत्रित हैं –

* प्रतिभागियों का पंजीकरण दिनांक 6 सितम्बर से – https://forms.gle/3Tzi8KMyDgb5FWfm9

*** संपर्क सूत्र -**

अध्यक्ष	**उपाध्यक्ष**	**सचिव**
विद्यासागर (8081817581)	**काजल (7303312953)**	**राम कुमार पाण्डेय (7900348240)**

कार्यक्रम संयोजिका	**प्रभारी**	**प्राचार्य**
प्रो. अर्चना गौड़	**प्रो. संजय कुमार शर्मा**	**प्रो.राकेश कुमार गुप्ता**

प्रतिभागियों का पंजीकरण

ember 2022 " निबंध लेखन प्रतियोगिता" सेमिनार / पी-सी 8
1 अपराह्न Rohit

S No.	Name	Department	Contact No.
1.	Farina	BA (Hindi) 2nd	9315798811
~~2.~~	~~SHRONITT~~	~~BA (PROGRAM) 2nd~~	~~9118810790~~
~~3.~~	~~PAYAL MEENA~~	~~BA (PROGRAM) 2nd Year~~	~~7828897945~~
4.	Shashthi	BA (Hindi) 2nd year	8892 89513605
5.	vishal	BA (Hindi) 2nd Year.	9971582116
6.	lakshay	BA (Hindi) 2nd वर्ष	8527021255
7.	ABHISHEK	B.A Hindi. H II yr	9625210168
8	YASH TANWAR	BA Hindi II nd Year	9999084027
9	AMIT	BA Pol SCI 2nd year	7042307820
10	RAM KARAN	BA Hindi (H) 3rd Year	7982382185
11	Sandeep Kumar	Maths (H) 3rd year	7717217921
12	DAVID MARYA	BA (Hindi) H II nd Year	9752533725
13	SURBHI	BA (Hindi) H 2nd year	8368666601
14	Manoj KUMAR	BA (Hindi) H 2nd Year	8826078557
15	PUNEET TANWAR	BA (Hindi) H II nd Year	9319014484
~~16.~~	~~Nishant PATEL~~	~~BA (English) H II nd Year~~	~~9713844974~~
17	SAKSHAM	BA (Hindi) (H) II nd Year	8587815762
18	KUSHAGRA	BA (HINDI) H II nd Year	8512066128
~~19~~	~~POOJA KUMARI~~	~~BA (HINDI) H II nd Year~~	~~8527655023~~
20	Vivek Kumar	BA (Hindi) II nd year	852750830
21	Shweta	BA (Hindi) II nd year	82859751[illegible]
		nd	[illegible]

स्लोगन + पंजीकरण पत्र

क्र.सं.	नाम	कोर्स/वर्ष	मोबाइल नं.
1.	राहुल	बी.ए. हिंदी आनर्स-2nd	9971975893
2.	इशिता नाथ	BMS (1st year)	9582673074
3.	अक्षत	BA(H)-Hindi-2nd	8850063671
4.	रोशन	BA(H)-Hindi-2nd	9582103548
5.	धर्मवीर	BA(H)-Pol.S.(1st)	7033079455
6.	विवेक कुमार	BA(H).Hindi-2nd	8527508304
7.	तानिया	BA(H).Hindi-2nd	8588067061
8.	यशा	" "	9289590540
9.	गायत्री	" "	8882264192
10.	रिया	B.Com(H)-2nd	8588827429
11.	राज कुमार	B.A(H).Hindi-1st	9354099093
12.	रवि	B.A(H).Hindi-3rd	9870536987
13.	अरशद	" " -1st	9318482576
14.	सत्यम मिश्रा	B.A(H).History-1st	9026391245
15.	साहिल	" " - "	8318826539
16.	संभवी	BJMC. -1st	7488109802
17.	अंकित	BA(H)-Hindi-3rd	8278251979
18.	तुषार शर्मा	" " "	9354970580
19.	मीनाक्षी पंत	BJMC	8882477590
20.	अंजु कु.	BSc	8445900629
21.	निशा मिश्रा	BJMC.(2nd)	7065186858
22.	विकास यादव	BJMC.	7705096654
23.	निधि	Hindi (H)...	[illegible]

पोस्टर — पंजीकरण - पत्र

प्रियंका गांधी	BMS. (1st)	9013373702
दिशा	BMS. (1st)	8810737660
विवेककुमार	BA(H). Hindi (2nd)	8527500830
संभवी	BJMC (1st.)	7488109802
रिंकी	BSc -(H) stats	7452899027
तुषार शर्मा	BA(H) Hindi - 3rd	9354970058
मीनाक्षी पंत	BJMC	888247775
विकास यादव	BJMC	770509665
विकास श्रीवास्तव	Physics(H) - 2nd	94156665
भावना	BA(H) Hindi - 2nd	98214156
सिमरन गौतम	Eng(H) -	92508666
निराशा कुमारी	BA(H) Hindi - 3rd year	7670515
प्रीति सिंह	BA(H) Hindi - 3rd y.	
शिल्पा सलोनी	BA(H) Pol. 2nd	9310137
नितेश	Pol(H) - 3rd.	95604
स्वाति	BA(H) - Hindi - 2nd	84480

26 DECEMBER MONDAY (360-005) Wk 53

प्रश्नोत्तरी - प्रति० - पंजीकरण

DECEMBER - 202
M T W T F S S M T W T F S
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10
12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24
26 27 28 29 30 31

1	विवेक कुमार	BA(H) Hindi - 2nd y	8527508304
2	अंकित आनंद	" " - 1st	7839097395
3	हर्षित गोयल	BA(H). Hind. Jour. (1st)	9012507646
4	रोचक सिंह	BMS. (2nd)	8434329401
5	सूरज	BA(H) Hindi - (1st)	729095744
6	मोहित	BA. CS	97735259
7	रोहित चौहान	BA(H) Hindi - 3rd	9520034080
8	सूरज कुमार	" "	"
	किरण	" "	96435808
	अकांक्षा शर्मा	" "	98250048
	संभवी	BJMC. (1st)	74081090
	कुशाग्र	BA(H) Hindi - 2nd	851206612
	अक्षय	" "	96509336
	संतोष	" "	76652101
	कुमार शर्मा	BA(H) Hindi - 3rd	93549705
	मनीष कु०	BA(H) Hindi - 2nd	92644119
	अंजु कु०	BSc	84459000
	निधि	Hindi(H) -	93107760
	अभिषेक सुमन	BA (P). His+Pol	93404475
	श्रुति शर्मा	BSc (2nd)	7302220
	प्रीति सिंह	BA(H) Hindi - 3rd	
	रजनी	BA (P) - 2nd	94571860

ओरीएन्टेशन रिपोर्ट (02 नवम्बर 2022)

हिन्दी साहित्य परिषद, हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी विशेष प्रथम वर्ष (बैच 2023-2026) के नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए ओरीएन्टेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया | उप प्राचार्य प्रो. सुभाष चंद डबास और हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. संजय कुमार शर्मा व हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका प्रो. अर्चना गौड़ के संचालन में पूर्वाह्न 11 बजे कक्ष संख्या 07 में प्रोग्राम शुरू हुआ और ओरीएन्टेशन कार्यक्रम के दौरान प्रो. नीलम ऋषिकल्प, डॉ. राजेश गौतम, डॉ. अशोक कुमार मीना, डॉ. मानवेश नाथ दास, , डॉ. दिनकर सिंह और डॉ लक्ष्मी देवी के साथ – साथ हिन्दी साहित्य परिषद के सभी पदाधिकारी भी मौजूद रहे | ओरीएन्टेशन कार्यक्रम में नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विभागाध्यक्ष ने संबोधित किया | हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका द्वारा परिषद की गतिविधियों से अवगत कराया गया डॉ. राजेश गौतम ने संबंधित पाठ्यक्रम और समय – सारिणी से अवगत कराया | सामान्य परिचय के साथ जलपान का आयोजन हुआ |

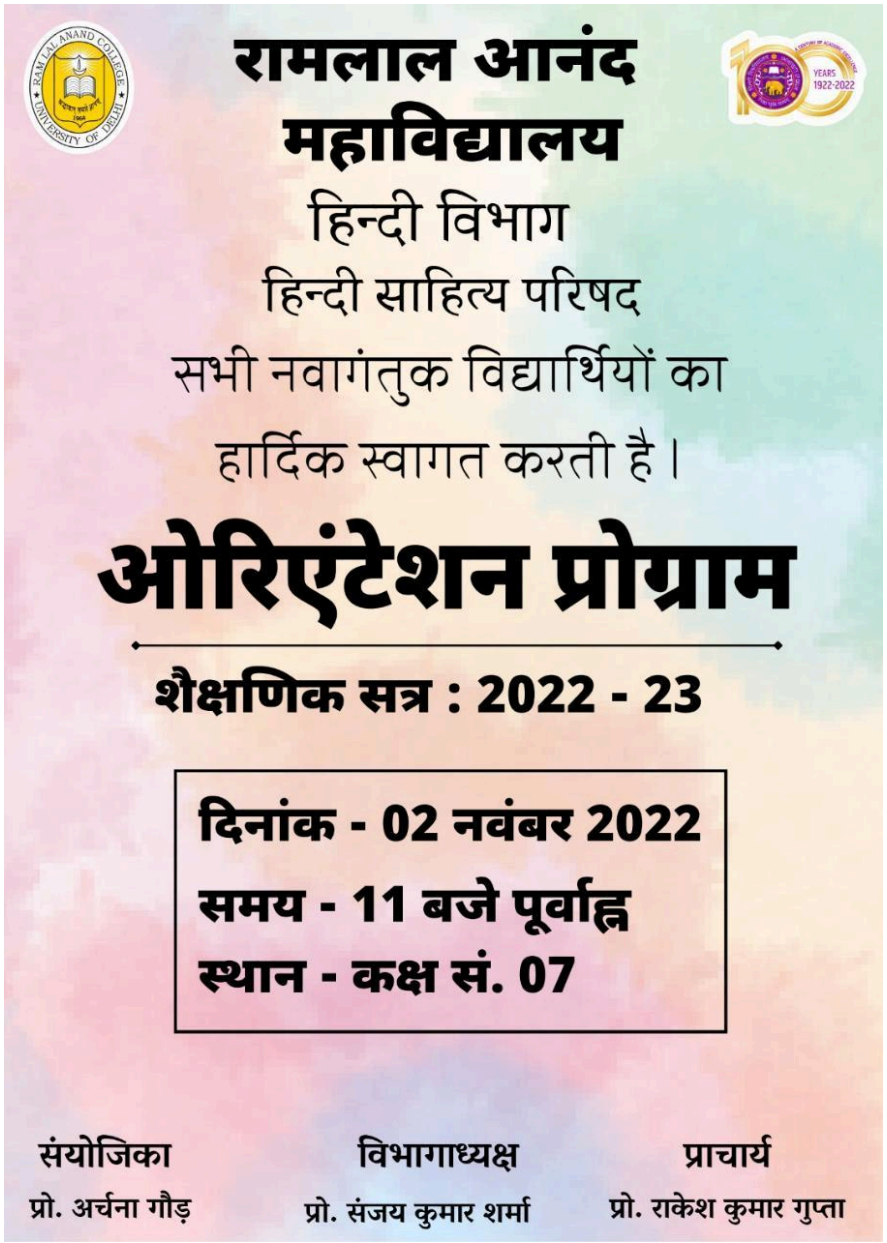

हिन्दी साहित्य परिषद हिन्दी विभाग द्वारा विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन

विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी साहित्य परिषद हिन्दी विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए क्रमश: 3 प्रतियोगिताओं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिता, हिन्दी भाषा व साहित्यिक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया |

प्रतियोगिता का नाम-	प्रतियोगिता का विषय-	अवधि -	प्रतियोगी संख्या
1.स्लोगन लेखन प्रतियोगिता	हिन्दी का बढ़ता वर्चस्व	1 घंटा	20
2.पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिता	हिन्दी का बढ़ता वर्चस्व	1 घंटा	25
3. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	हिन्दी भाषा व साहित्य से जुड़े प्रश्न	1 घंटा	32

स्लोगन लेखन व पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिताओं का विषय : हिन्दी का बढ़ता वर्चस्व रखा गया तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हिन्दी भाषा और साहित्य से संबंधित प्रश्न पूछे गए | इन प्रतियोगिताओं में लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया व विजेताओं को पुरुस्कार और प्रमाण पत्र तथा प्रतिभागियों को भी सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए | रामलाल आनंद महाविद्यालय के प्रोफेसर स्तर के निर्णायक मण्डल द्वारा सभी प्रतियोगिताओं समुचित निर्णय किया गया | प्रतियोगिताओं के दौरान हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका - प्रो. अर्चना गौड़ ke मार्गदर्शन में सम्पूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया जिसमे हिन्दी विभाग के सभी आचार्यों ने अपना महत्वपूर्ण समर्थन एवं सहयोग दिया |

पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिता के विजेता

1. निकिता पठानिया	कंप्युटर विज्ञान द्वितीय वर्ष	1000/-
2. आकाश	राजनैतिक विज्ञान, प्रथम वर्ष	700/-
3. राजन	हिन्दी विशेष द्वितीय वर्ष	500/-

पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिता

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता

1. राजन और अक्षत मेहता हिन्दी विशेष द्वितीय वर्ष 1000/-
2. किरन और आकांक्षा हिन्दी विशेष तृतीय वर्ष 700/-
3. संतोष और कुशाग्र हिन्दी विशेष द्वितीय वर्ष 500/-

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

1. निकिता पठानिया कंप्युटर विज्ञान द्वितीय वर्ष 1000/-
2. निशा मिश्रा पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, द्वितीय वर्ष 700/-
3. मीनाक्षी पंत पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, द्वितीय वर्ष 500/-

स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

हिन्दी सप्ताह कार्यक्रम :- प्रवक्तों द्वारा हिन्दी दिवस में भागीदारी और श्रेष्ठ रचनाएँ

रिश्ते-नाते

अनुराग शर्मा, सांख्यिकी विभाग

अब सब बड़े हो गए हैं
माता-पिता को अकेला छोड़कर
अपनों से मुंह मोड़ कर
रिश्ते नाते सब तोड़ कर
अब सब बड़े हो गए हैं
पैसा कमाने की चाह लेकर
भाई-भाई को दुःख देकर
जिस मां ने जन्म दिया
उस मां आंसू देकर
अब सब बड़े हो गए हैं
यादें देश की मिटाकर
अपनों से आंखें चुराकर
अब सब बड़े हो गए हैं।

2. मनोस्थिति

वंदना गुप्ता, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

कल थे हम शोकाकुल
आज हैं प्रफुल्लित
शायद कल होंगे रौद्र रूप में
जरा रुकें और पूछें स्वयं से
क्यों है हमारी मनोस्थिति की यह दशा
उत्तर है इसका भी हमारे पास
परिस्थितियां ही ऐसी थीं
लोग ही ऐसे मिले
परिस्थिति रहेगी हमेशा ही प्रतिकूल
वश नहीं हमारा इन पर
क्यों हम जाते हैं यह भूल
जो वश में है हमारे
चलाएं हम उन पर अपना वश
हमारा मस्तिष्क और मन
क्यों न करें अपनी अन्तर्मुखी शक्ति एकत्रित
और नकार दें परिस्थिति को
और ध्यान दें अपनी मनोस्थिति पर।

3. हिंदी का प्रभाव

राजिन्दर सिंह, वाणिज्य विभाग

भारत देश भाषाओं का देश
जिसमें हिंदी का अपना समावेश
हर कोई भाषा का उपयोग है करता
अपने भावों को व्यक्त है करता
हिंदी का अपना है वर्चस्व
जिससे बढ़ता है देश का गौरव
हम भारतवासी करते हैं हिंदी का सम्मान
देश का जो बढ़ाएं मान।

4. हिंदी है हम सब की भाषा

अटल तिवारी, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार

हिंदी है हम सब की भाषा
बोल चाल में नहीं निराशा
हम हिंदी को जीते हैं
अपना दायरा बढ़ाते हैं
संयुक्त राष्ट्र पहुंचाते हैं
फिर मनीला लाते हैं
हिंदी है हम सब की भाषा
बोल चाल में नहीं निराशा
वैश्विक ध्यान खींचा है

नंबर दो पहुंचाया है

अभी सीढ़ियां चढ़ना है

नंबर एक बनाना है

हिंदी है हम सब की भाषा

बोल चाल में नहीं निराशा।

हमारी अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम हिंदी

अटल तिवारी

हिंदी की यात्रा अमीर खुसरो और विद्यापति के समय से मानी जाती है। यह उस समय की बात है जब हिंदी का मानकीकृत रूप नहीं था। लोग बोल-चाल और संवाद की भाषा के तौर पर हिंदी का इस्तेमाल कर रहे थे। चूंकि वह मानकीकृत रूप नहीं था; इसलिए उसमें स्थानीय भाषाओं और बोलियों का महत्व ज्यादा देखने को मिलता है। अगर अवध क्षेत्र में हैं तो उसमें अवधी की छौंक देखने को मिलती। बृज में हैं तो वहां की स्थानीय भाषा की बहुतायत होती। यह महज उदाहरण हैं, क्योंकि पूरे देश में जहां भी हिंदी बोली जाती थी उसमें वहां की लोक भाषा और बोली की अधिकता होती थी। इसे वहां के लोकगीतों से भी जाना और समझा जा सकता है। उस समय के लोकगीत पढ़ने से पता चलता है कि हिंदी के साथ किस तरह से स्थानीय भाषाओं और बोलियों का समावेश किया गया है।

समय के साथ हिंदी ने अपना विकास किया। उसने दूसरी भाषाओं को अपनी बहन की तरह स्वीकार किया। महात्मा गांधी जब दक्षिण अफ्रीका से भारत आए और उन्होंने देखा कि भाषा को लेकर देश में किस तरह से दूरियां बनी हुई हैं। ब्रिटिश सरकार किस तरह अंग्रेजी भाषा का विस्तार करने के लिए प्रयासरत है। स्कूलों-कॉलेजों में शिक्षा का मुख्य माध्यम अंग्रेजी बनी है। आगे उसी को अंग्रेज सरकार बढ़ावा देने का काम कर रही है।

अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दी जा रही थी। साथ ही वह एक सीमित वर्ग तक सीमित थी। एक तरह से कह सकते हैं कि यह शिक्षा धनी वर्ग तक ही सीमित थी। जो इस शिक्षा पद्धति पर सवाल उठाता था उसे पिछड़ी सोच का माना जाता था। इन परिस्थितियों को देखते हुए महात्मा गांधी ने जोरदार तरीके से हिन्दुस्तानी भाषा की वकालत की। गांधी अपनी इस बात को दो तरह से देखते थे, पहली कि अगर हिन्दुस्तानी को बढ़ावा मिले तो अंग्रेज सरकार के मंसूबे भाषा के मामले में कमजोर होंगे और दूसरी यह कि भाषा को लेकर लोगों के मन में जो दूरिया हैं उसको कम किया जा सकेगा। इसीलिए गांधी ने कहा-''भाषा वही सच्ची होती जो जनता के करीब हो और जनता के करीब देहाती भाषा है।''

गांधीजी जिस देहाती भाषा की चर्चा कर रहे थे वह दरअसल हिन्दुस्तानी भाषा थी, जिसमें हिंदी के साथ उर्दू के शब्दों का भी समावेश होता था। आगे चलकर भाषा को लेकर अंग्रेज सरकार और देश के स्वतंत्रता सेनानियों के बीच तनाव की स्थिति बनती थी।

इसी बीच 1932 में पं. मदन मोहन मालवीय ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय के उपाधि वितरण समारोह में ऐलान किया कि शिक्षा का माध्यम हिंदी होना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने इण्टरमीडिएट तक की शिक्षा में हिंदी को अनिवार्य करने पर जोर दिया। मालवीयजी की इस बात का कथा सम्राट प्रेमचंदजी ने भरपूर समर्थन किया। यह समर्थन महज बातों का नहीं था। इसके पक्ष में उन्होंने बाकायदा अखबार में टिप्पणी भी लिखी। यही वह समय था कि जब गांधीजी द्रविड़ लोगों को हिंदी सीखने को प्रेरित कर रहे

थे। उनका कहना था कि दक्षिण अफ्रीका में तेलगू, तमिल आदि भाषा भाषी लोगों ने बाकायदा हिंदी सीख ली थी। कुछ समय में ही वह इतनी सीख लिए थे कि हिंदी बोल सकते थे और समझ सकते थे।

आजादी के बाद हिंदी भाषा के मानकीकरण का काम हुआ। इसी के साथ हिंदी का विस्तार होता गया। उसकी सर्व स्वीकार्यता बढ़ती गई। इसी बीच मोरारजी भाई देसाई के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार बनी तो विदेश मंत्री की जिम्मेदारी अटल बिहारी बाजपेयी को मिली, जिन्होंने पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण दिया। यह एक तरह से हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता पर मुहर थी।

इसी कड़ी में दूसरी घटना 2019 में देखने को मिली, जब फिलीपींस की राजधानी मनीला में रमन मैग्सेसे पुरस्कार ग्रहण करते हुए हिंदी के मशहूर टीवी पत्रकार रवीश कुमार ने अपना संबोधन हिंदी में दिया। इस घटना से पता चलता है कि हिंदी को वैश्विक स्वीकृति मिल चुकी है तभी रमन मैग्सेसे पुरस्कार कमेटी ने रवीश कुमार को हिंदी में बोलने की अनुमति दी। रवीश कुमार भारत के छह पत्रकारों में से पहले ऐसे पत्रकार हैं जिन्हें हिंदी में पत्रकारिता करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

हिंदी की जब आज हम बात कर रहे हैं तब यह जान लें कि वह दुनिया में दूसरी ऐसी भाषा है जो बोलचाल और संवाद का जरिया बनी हुई है। इंटरनेट आने के बाद एक सवाल उठा था कि उसमें हिंदी कैसे आएगी, लेकिन हिंदी सेवियों ने काफी मेहनत करके इंटरनेट की दुनिया में हिंदी को स्थापित कराया। इसकी पहले-पहल शुरुआत वेब दुनिया नामक आॅनलाइन पत्रिका से होती है। इस माध्यम में हिंदी ने ऐसी तरक्की की कि आज अखबार, पत्रिका, टीवी, रेडियो, सिनेमा सब कुछ इंटरनेट के पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक पहुंच रहा है। आज शायद ही कोई ऐप हो, जिसमें हिंदी में काम न होता हो। फेसबुक, व्हाट्सअप, इंस्टाग्राम, लिंकडेन, ट्वीटर आदि अनेक ऐप के जरिए हिंदी अपने झंडे गाड़ रही है।

विश्व कविता दिवस का आयोजन

विश्व कविता दिवस के अवसर पर 21 मार्च 2023 को हिन्दी विभाग, हिन्दी साहित्य परिषद के पदाधिकारियों के द्वारा संयोजिका - प्रो. अर्चना गौड़ के मार्गदर्शन में काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे अनेक प्रतिभागियों ने भाग लिया | प्रतिभागियों द्वारा इस अवसर पर काव्यपाठ किया गया | प्रतियोगिता के दौरान हिन्दी साहित्य परिषद की संयोजिका व डॉ. राजेश गौतम निर्णयक मण्डल के रूप में रहे | प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरुस्कार व सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए |

विश्व कविता दिवस के विजेता

विजेता के नाम	कोर्स	पुरुस्कृत राशी
1. राम कुमार पाण्डेय	हिन्दी विशेष, द्वितीय वर्ष	1000/-
2. चाँदनी बानो	हिन्दी विशेष, तृतीय वर्ष	700/-
3. रोहित	हिन्दी विशेष, तृतीय वर्ष	500/-

हिन्दी कविता दिवस पर निर्णायक गण

इस प्रकार प्रोफेसर अर्चना गौड़ के संयोजन में हिन्दी साहित्य परिषद की अनेक गतिविधियों द्वारा छात्रों का उत्साहवर्धन ,रचनात्मकता और कार्यशैली के विभिन्न आयाम खुले |